No. of Printed Pages : 4

BMAF–001

स्नातक उपाधि कार्यक्रम

(बी. डी. पी.)

सत्रांत परीक्षा

दिसम्बर, 2023

बी.एम.ए.एफ.-001 : मैथिली में आधार पाठ्यक्रम

समय : 2 घण्टे *अधिकतम अंक : 50*

नोट : सभ प्रश्नक उत्तर तिरहुता अथवा देवनागरी मे लिखू।

---

1. निम्नलिखित शब्दक देशज रूप लिखू :— 5

   (क) उद्घाट्य

   (ख) पत्र

   (ग) हस्त

   (घ) सत्य

   (ङ) अस्ति

2. एहि शब्दक पर्यायवाची रूप लिखू : — 5

   (क) रजनीकान्त

   (ख) नृपति

(ग) रवि

(घ) मिथ्या

(ङ) पुष्प

3. वाक्य बनाउ :— 5

(क) पसाहनि

(ख) ओसार

(ग) आङन

(घ) खेलौड़िया

(ङ) उबटन

4. वाक्य बनबैत अर्थ स्पष्ट करू:— 5

(क) गौरवे आन्हर

(ख) आँखि देखायब

(ग) हाथ मोड़ब

(घ) चारित्र चलब

(ङ) देह नेड़ायब

5. ई पाबनि सम कहिया-कहिया मनाओल जाइछ:— 5

(क) सरस्वती पूजा

(ख) जूड़शीतल

(ग) ईद

(घ) मोहर्रम

(ङ) कोजागरा

6. निम्नलिखित अवतरणक 150 शब्द मे व्याख्या करू:— 7

(क) 'करुणागार उदार प्राणपति, वन देल दोष लगाय रे।
देवर-दोष विधिक हम की कहू, जनि धर धर्म्म न न्या यरे॥
हमरहि हेतु दशानन मारल, कपिगण संग लगाय रे।
तरवन पतिव्रत हमर देखल सभ, अनल मे गेलहुँ समाय रे॥
नैहर जौ मिथिला चरित्र जायब, कहत बाप कि माइ रे।
पुरुष-परशमणि-कर हम सोपल, अयला का नाम हँसाय रे॥
सिरिस सुमन बरू होय अशनि सन, अशनि तेहन भय जाय रे।
से बरू होय, होथि नहि अकरुण, अहँ काँ बड़का भाइ रे॥
की कहब कहय योगि नहि रहलहुँ, भेलहुँ सबहि काँ भार र।
कतहु रहब जानकि जन कहते, श्री रघुनंदन-दार रे॥

अथवा

दुइ फेँड़वला बुढ़बा गाछ.....
कोनइला तर ठाढ़ छी
करइ अछि आकृष्ट मनकेँ
डारि पर लटकल सिनुरिया आम
काल्हि-परसू आकि चारिम दिन जा एतइ पाकि
पाबि सिहका रात्रि शेषक
टब्भ दए खसि पड़त चुप्पेचाप
के कहओ लगतैक ककरा हाथ

किछु होअओ भावीक चिन्ता नहि करी
एखन तँ झरकल नयनकेँ जुड़ा ली तत्काल
दिव्य ओ अभिराम
करइ अछि आकृष्ट मनकेँ
डारि पर लटकल सिनुरिया आम

7. 'हथटुट्टा कुर्सी' एकांकीक विषय-वस्तुसँ परिचय कराउ। 7

8. 300 सय शब्द मे कोनो **एक** विभूतिक साहित्यिक परिचय दियऽ:— 7
   (क) चन्दा झा
   (ख) भुवनेश्वर सिंह 'भुवन'
   (ग) हरिमोहन झा

9. कोनो **एक** विषय पर **150** शब्द मे अपन विचार प्रकट करु:— 4
   (क) अजन्ता शैली
   (ख) मिथिलांचलक खेल समारोह
   (ग) तेलक शोधन